भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 869

दिनांक 29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

नमक और चीनी में माइक्रोप्लास्टिक्स

869. श्री सचिदानन्दम आर.:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस विचार से सहमत है कि पर्यावरण अनुसंधान संगठन टॉक्सिक्स लिंक द्वारा किए गए "माइक्रोप्लास्टिक्स इन सॉल्ट एंड शुगर' शीर्षक से किए गए अध्ययन, जिसमें फाइबर, पेलेट्स, फिल्म्स और फेरमेंट्स सहित विभिन्न रूपों में नमक और चीनी के सभी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक्स की उपस्थिति का खुलासा हुआ है, और इस कारण मानव स्वास्थ्य पर माइक्रोप्लास्टिक्स के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों के संबंध में तत्काल, व्यापक अनुसंधान/अध्ययन आवश्यक है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): सरकार को टॉक्सिक्स लिंक द्वारा किए गए अध्ययन की जानकारी है जिसमें नमक और चीनी के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक्स का पता चला है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के वैज्ञानिक पैनलों में विभिन्न संगठनों द्वारा किए गए विभिन्न अध्ययनों के संबंध में स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श किया जाता है। अध्ययन के गुणावगुण के आधार पर विशेषज्ञों द्वारा इन मुद्दों पर विचार किया जाता है।

एफएसएसएआई ने सीएसआईआर-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ; आईसीएआर-केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफटी), कोच्चि और बिड़ला प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान (बिट्स), पिलानी द्वारा "उभरते खाद्य संदूषकों के रूप में माइक्रो-और नैनो-प्लास्टिक्स: मान्य पद्धतियों की स्थापना और विभिन्न खाद्य मैट्रिक्स में इनकी व्याप्तता को समझना" शीर्षक से परियोजना को वित्त पोषित किया गया है। इस परियोजना के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :-

i. फूड मैट्रिक्स में माइक्रो/नेनो-प्लास्टिक्स की पह्चान करने और प्रमात्रा निर्धारण के संबंध में विश्लेषणात्मक पद्धतियों का विकास और वैधीकरण।

ii. चिह्नित फूड मैट्रिक्स में विकसित पद्धतियों की इंटर और इंटरा-लेबोरटरी तुलना।

iii. चिह्नित फूड मैट्रिक्स में माइक्रो/नेनो प्लास्टिक्स के एक्सपोज़र स्तर का निर्धारण और निगरानी।

******